



TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Vol./Year-10 Issue - 22

Hindi / English (Bi-Lingual) Weekly Ghaziabad
केन्द्र एवं उ०प्र० सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

www.tbcbzb.com

News of the Week

दिवाली पर दिल्ली में इस बार ध्वनि प्रदूषण ने बीते दो साल का रिकार्ड तोड़ दिया है। इससे पहले लगातार दिवाली पर ध्वनि प्रदूषण कम हो रहा था। इस बार रात के साथ-साथ दिन में भी शोर बढ़ा है।

Inside Ghaziabad

पेज नंबर 2

मुजफ्फरनगर के बाद आगरा का भी नाम बदलने की मांग

पेज नंबर 5

Forensic lab, fifth in UP, set up for...



I Hkh I q'kh i k Bdk
 , oa foKki unkrkvka
 dks nhokyh dh
 gkfn'd ' k'k'kdkeuk, a
 I a kn'd

निर्माण कार्यों पर
जुर्माना लगाया

साहिबाबाद : प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और प्रशासन की टीम ने कैलाश मानसरोवर भवन सहित तीन निर्माण कार्यों पर डेढ़ लाख रुपये का जुर्माना लगाया। टीम ने कैलाश मानसरोवर भवन, साया होम्स प्राइवेट लिमिटेड और नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। इन सभी पर खुले में निर्माण कार्य करने और खुले में निर्माण सामग्री रखने का आरोप है। शक्ति खंड-चार में बन रहे कैलाश मानसरोवर भवन का निर्माण खुले में होता पाया गया। प्लॉट नंबर 10 शिप्रा सनसिटी, साया होम्स द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

प्रदूषण के साथ बढ़ी
मरीजों की संख्या

गाजियाबाद: दिवाली पर वायु प्रदूषण बढ़ने के कारण सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में सांस लेने में दिक्कत, गले में दर्द व आंखों में जलन के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। एमएमजी अस्पताल व संयुक्त जिला अस्पताल में उपरोक्त परेशानियों के 500 से ज्यादा मरीज दिवाली के बाद इलाज के लिए पहुंचे। इसके अलावा प्राइवेट अस्पताल में भी काफी संख्या में मरीज पहुंचे। एमएमजी अस्पताल के वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डा. मदल लाल ने बताया कि बीते दो दिनों में इलाज को आए सभी मरीजों को प्रदूषण के कारण परेशानी हुई।

डायबिटीज पर डिस्ट्रिक्ट इंटरसिटी हेल्थ टॉक 24 को

राजनगर सेक्टर-10 स्थित आईएमए भवन के ऑडोथोरियम में दोपहर ढाई बजे होगा आयोजन

गाजियाबाद : रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन के तहत 24 नवंबर को राजनगर सेक्टर-10 स्थित आईएमए भवन के ऑडोटेोरियम में दोपहर ढाई बजे डायबिटीज पर डिस्ट्रिक इंटरसिटी हेल्थ टॉक का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता रं.सुभाष जैन डिस्ट्रिक गवर्नर द्वारा की जाएगी। यह कार्यक्रम रोटरी डिस्ट्रिक 3012 के 11 क्लब, ऑक्सिनोवा जल व मैक्स अस्पताल द्वारा कराया जा रहा है। इसमें मुख्य अतिथि डा.नरेंद्र कुमार गुप्ता सीएमओ गाजियाबाद व डा.अनुराग भार्गव सीएमओ



नोएडा होंगे। वहीं गेस्ट ऑफ ऑनर रो.जेके गौड पीडीजी, रो. दीपक गुप्ता डीजीई, रो.आलोक गुप्ता जीडीएनएन होंगे। डा.संजीव

भंबानी डायरेक्टर एंड एचओडी
एंडोक्रिनोलॉजी एंड डायबिटीज
मैक्स अस्पताल वैशाली, डा.
प्रहलाद चावला एमडी,

एफसीसीएस, एफआईएसीएम
एफआईसीपी, डा.चारु दुआ
एचओडी क्लीनिकल न्यूट्रेशन, एंड
एच एंड एफ मैक्स अस्पताल
वैशाली, डा.शलभ गुप्ता एचओडी
सर्जरी, संतोष मेडिकल कॉलेज
लोगों को डायबिटीज के बारे में
जागरूक करेंगे। रोटरी डिस्ट्रिक्ट
3012 के 11 क्लब रोटरी क्लब
ऑफ दिल्ली इस्ट एंड, दिल्ली
मोनार्च, दिल्ली विकास, गाजियाबाद
सेंट्रल, गाजियाबाद हेरिटेज,
गाजियाबाद निकुंज, गाजियाबाद
राजधानी, नोएडा सेंट्रल, नोएडा
एक्सीलेंस व रोटरी क्लब ऑफ
इंदिरापुरम गैलोर शामिल है।

दिवाली पर पिछले साल की तुलना में
छह गुना अधिक रहा वायु प्रदूषण

गाजियाबाद : दिवाली पर गाजियाबाद का वायु प्रदूषण सामान्य से 10 गुना अधिक दर्ज किया गया। वहीं, बृहस्पतिवार को गाजियाबाद का एयर क्वालिटी इंडेक्स शाम छह बजे 430 रहा। पीएम-10 और पीएम-2.5 की मात्रा भी बीते साल की तुलना में छह गुना अधिक रही। रविवार को गाजियाबाद का पीएम-10 और पीएम-2.5 बेहद खतरनाक स्थिति में रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार शाम छह बजे एयर क्वालिटी इंडेक्स 430 रहा। वहीं बृहस्पतिवार पीएम-10 981 और पीएम-2.5 687 दर्ज किया गया। यह सामान्य से 10 गुना अधिक रहा। साल 2017 में पीएम-10 322 और पीएम-2.5 340 दर्ज किया गया था जबकि इस साल की वायु प्रदूषण की स्थिति साल 2016 से भी अधिक पहुंच गई है। साल 2016 में पीएम-926 और पीएम-2.

5 575 दर्ज किया गया था। बृहस्पतिवार को दिवाली के धुएँ और स्मॉग का असर लोगों को बेहद परेशान करने वाला रहा। सुबह नौ बजे से लेकर देर शाम तक हवा की गति भी बेहद कम रही। यह दिन में दो किलोमीटर प्रति घंटा औसत रही जो सामान्य से लगभग 10 से 12 गुना कम रही। बृहस्पतिवार को सुबह दस बजे तक गाजियाबाद की एयर क्वालिटी इंडेक्स 400 के भीतर थी लेकिन दोपहर बाद हवा कुछ तेज हुई जिसका असर यह हुआ कि आसपास की प्रदूषित हवा यह के वायुमंडल में फैल गई और गाजियाबाद की एयर क्वालिटी इंडेक्स शाम को 430 तक जा पहुंचा। वहीं पीएम-2.5 की मात्रा भी चिंताजनक बनी रहने से लोगों को खासी मुश्किलें आईं। क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी ने बताया है कि हवा की धीमी गति ने इसे और ज्यादा खतरनाक बना दिया।

Clinging on to car roof, man driven around for 6 km in road rage incident in Ghaziabad

Ghaziabad : A purchase manager of a Gurugram export house had a close shave when he was allegedly driven around on the roof of a car for around six kilometres near Sahibabad on Thursday evening. Stating that the man who drove him around has been arrested, the police said the incident was the result of a road rage case, when the victim had tried to stop the accused's car after it hit his car. The incident was captured on mobile phones by onlookers who chased the Zen Estilo car the accused was driving with the victim 35-year-old Rajesh Diwan, a resident of Pitampura in Delhi clinging on to the roof of the car while holding on to

the front windows. Police said the accused, Bhuwan Kumar Sharma (30), works as a legal practitioner and is a resident of Raj Nagar Extension. According to Diwan, the incident took place around 7pm on Thursday. Recalling his near death experience, he claimed, "I had come to Ghaziabad to meet a friend and was waiting at a traffic signal in Sahibabad. The accused arrived in his car and banged my Swift Dzire from the rear. The accused started to reverse and flee. When I came out of the car and tried to stop him, he abused me and fled. I then decided to give chase, and soon, near Raj Nagar Extension, I overtook his car."

निवाड़ी में प्रदेश की पांचवीं विधि विज्ञान प्रयोगशाला का हुआ शुभारंभ

गाजियाबाद : जनपद के निवाड़ी में प्रदेश की पांचवीं विधि विज्ञान प्रयोगशाला (फोरेंसिक लैब) का शुभारंभ शुक्रवार को डीजीपी ओपी सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि जांच कराने के लिए मेरठ रेंज की पुलिस को अब तक मुरादाबाद या आगरा पर निर्भर रहना पड़ता था। इसके कारण अपराधी को सजा दिलाने में वक्त ज्यादा लगता था। अब निवाड़ी में विधि विज्ञान प्रयोगशाला (फोरेंसिक लैब) शुरू होने पर मेरठ रेंज की पुलिस को जल्द से जल्द अपराध सुलझाने में सहूलियत होगी। फिलहाल निवाड़ी स्थित विधि विज्ञान प्रयोगशाला में सात तरह के टेस्ट क्राइम सीन मैनेजमेंट, डाक्यूमेंट्स (पेपर) आदि से जुड़े, कैमस्ट्री,



बायोलॉजी, फिजिक्स, ब्लड, पॉइजन होंगे। 8 और टेस्ट कराने की सुविधा भी यहां जल्द शुरू हो जाएगी। 2019 के अंत में यहां पर डीएनए के टेस्ट की स्वीकृति भी मिल जाएगी। प्रयोगशाला 60

करोड़ की लागत से बनी है। प्रयोगशाला के लिए बनाए गए भवन को दो हिस्सों में बांटा गया है। इसमें अभी टावर ए में ही काम चल रहा है। इसके बाद टावर बी में काम शुरू होगा। प्रयोगशाला को पूरा करने में अभी 17 करोड़ रुपये की और आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपराध नियंत्रण को लेकर प्रदेश के सभी 18 रेंजों में विधि विज्ञान प्रयोगशालाएं खोलने की योजना बनाई थी। इससे पहले लखनऊ, आगरा, मुरादाबाद, वाराणसी में प्रयोगशालाएं संचालित हैं। इलाहाबाद, गोरखपुर में भी प्रयोगशालाएं शुरू करने के लिए जल्द काम शुरू होगा। निवाड़ी में यह पांचवीं विधि विज्ञान

प्रयोगशाला है। प्रयोगशाला में वैज्ञानिकों की उपलब्धता के बारे में पूछे गए सवाल पर डीजीपी ने कहा कि प्रयोगशाला में अभी निदेशक का पद खाली है। 17 वैज्ञानिकों की टीम की प्रयोगशाला में तैनाती होगी। बच्चियों के साथ हो रहे अपराध पर डीजीपी ने कहा कि पुलिस को इसको लेकर सख्ती बरतने के आदेश दिए गए हैं। वादी के साथ मिलकर अपराधों को कड़ी से कड़ी और जल्दी सजा दिलाना यूपी पुलिस की प्राथमिकता में शामिल है। डीजीपी ने कहा कि वारदात से जुड़े साक्ष्य जुटाने में पुलिस को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। ताकि किसी भी साक्ष्य के अभाव में आरोपित छूट न जाए। डीजीपी ने पुलिस के

पारदर्शी व विश्वसनीय होने पर जोर दिया और कहा कि पुलिस को पुराने ढर्रे से ऊपर उठकर आधुनिक और तकनीक से जुड़ने की जरूरत है। पुलिस के अपराधों पर नियंत्रण पर किए गए कई कार्यों की डीजीपी ने जमकर सराहना की। इससे पूर्व डीजीपी ने विधि विज्ञान प्रयोगशाला का विधिवत पूजन के बाद शुभारंभ कराया। इस मौके पर अपर पुलिस महानिदेशक तकनीकी सेवाएं आशुतोष पांडेय, विधि विज्ञान प्रयोगशाला के डिप्टी डायरेक्टर डा. सुधीर कुमार, एडीजी प्रशांत कुमार, एसएसपी गाजियाबाद वैभव कृष्ण, एसएसपी नोएडा अजयपाल शर्मा समेत अनेक अधिकारी मौजूद रहे।

बीजेपी ने दो माह में जोड़े 40 लाख सदस्य

गाजियाबाद : 2019 लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने पार्टी के साथ नए सदस्यों को जोड़ने का अभियान शुरू किया है। इस अभियान में बीजेपी ने पिछले दो महीनों में करीब 40 लाख नए सदस्य जोड़ लिये हैं। लोकसभा चुनावों के महानजर पार्टी के साथ नए सदस्यों को जोड़ने का यह अभियान इस संख्या को 50 लाख तक ले जाने के लिए अभी भी चल रहा है। भाजपा में इन नए सदस्यों की तादाद 50 लाख हो जाएगी तो पार्टी की प्रदेश में सदस्यों की संख्या करीब दो करोड़ तक पहुंच जाएगी। भाजपा ने एक सितम्बर से तीन अभियान एक साथ शुरू किए थे। इसके तहत बूथ पुनर्गठन, मतदाता सूची पुनरीक्षण और सदस्यता अभियान शुरू किया गया।

प्राधिकरण 18 बिल्डरों का कराएगा ऑडिट

गाजियाबाद : गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) लंबित परियोजनाओं के 18 बिल्डरों का ऑडिट कराएगा। उनकी आर्थिक स्थिति का आकलन किया जाएगा। यह जानने के लिए कि वो प्रोजेक्ट पूरा करने में सक्षम हैं कि नहीं, यह खोजने का प्रयास किया जाएगा कि कहीं इन बिल्डरों ने परियोजना के लिए आवंटियों से जुटाई धनराशि का आम्रपाली समूह की तरह अन्य कंपनियों में तो ट्रांसफर नहीं कर दिया। भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के अध्यक्ष राजीव कुमार के निर्देश पर यह कदम उठाया जा रहा है। नोएडा प्राधिकरण की तर्ज पर ऑडिट का प्रारूप तैयार किया जाएगा। उन्हीं से विचार विमर्श कर ऑडिट के लिए एजेंसी निर्धारित की जाएगी। रेरा ने इसके लिए दो महीने का वक्त दिया है। रेरा ने बिल्डरों को उनकी परियोजनाओं की



प्रगति के हिसाब से तीन श्रेणियों में बांटा है। ए श्रेणी में 58, बी श्रेणी में 39 व सी श्रेणी में 18 बिल्डर रखे गए हैं। सबसे निम्न स्तरीय श्रेणी सी है। जिसमें ऐसे बिल्डरों को सूचीबद्ध किया गया है, जिनकी बहुत शिकायतें आ रही हैं। रेरा ने इसी श्रेणी के बिल्डरों का ही ऑडिट कराने के लिए निर्देशित किया है। इनमें से कुछ बिल्डरों के पास परियोजना का निर्माण करने के लिए पर्याप्त जमीन नहीं है। कई बिल्डर वित्तीय स्थिति कमजोर होने के कारण परियोजना को आगे नहीं बढ़ा पा रहे। ज्यादातर ऐसे हैं जिनका बिना कारण निर्माण लंबे समय से शुरू नहीं हुआ है। बी-श्रेणी

में मामूली शिकायतों वाले बिल्डरों को सूचीबद्ध किया है। इस श्रेणी के बिल्डरों से बैठक कर शिकायतों का निस्तारण करने के लिए कहा गया है। ए श्रेणी में वो बिल्डर हैं, जिनकी शिकायतें नहीं हैं। सात बिल्डर ऐसे हैं जिन्होंने एक भी प्लैट नहीं बनाया है। रेरा में पंजीकृत सात आवासीय परियोजनाएं केवल नींव रखे जाने तक सीमित हैं। जीडीए ने भौतिक निरीक्षण कर पता लगाया कि इनमें एक भी प्लैट का निर्माण नहीं हुआ है। जबकि, इन परियोजनाओं को लॉन्च हुए दो वर्ष से अधिक हो गए। इनमें रोजबेरी डेवलपर्स प्रो.लि., अम्बा रेजीडेंसी प्रा. लि, कृष्णा इंफ्रा होम प्रा. लि., एंथम यश कीर्ति इंफ्रा होम प्रा. लि., मंजू जे होम्स इंडिया प्रा. लि., यूटिलिटी स्टेटस प्रा. लि. और एसएमवी जेंसी नितिश्र इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. शामिल हैं।

शहर के यूरिनल की नहीं होती सफाई, लोग हो रहे परेशान

गाजियाबाद : नगर निगम की ओर से बनवाए गए वाटरलेस यूरिनल देखरेख के अभाव में गंदे पड़े हुए हैं। ठेकेदार सफाई पर ध्यान नहीं दे रहा। यह समस्या लंबे वक्त से बनी हुई है। शिकायत के बावजूद निगम अधिकारी यूरिनल की सफाई के लिए ठेकेदार पर शिकंजा नहीं कस पा रहे। नगर निगम ने शहर में सार्वजनिक स्थलों, प्रमुख मार्गों और चौराहों पर 81 वाटरलेस यूरिनल बनवाए थे। इस पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए। एक स्थल पर तीन से पांच पॉट वाले यूरिनल बने हुए हैं। नगर निगम ने इनकी सफाई की जिम्मेदारी निजी सेवा प्रदाता को दे रखी है।

पुणे में आयोजित हुई प्रतियोगिता में अंजलि ने जीता मिसेज इंडिया यूनिवर्स वूमन कॉन्फिडेंट खिताब

गाजियाबाद : गाजियाबाद की अंजलि सिंह ने पुणे में आयोजित मिसेज इंडिया यूनिवर्स वूमन कॉन्फिडेंट का खिताब जीतकर जिले का नाम देश भर में रोशन किया। प्रतियोगिता में देश के अलावा हांगकांग, दुबई, कुवैत, ओमान आदि देशों से आई भारतीय महिलाओं ने भी प्रतिभाग किया था। फाइनल में 55 महिलाएं पहुंची थीं। शहर के पटेलनगर में प्री स्कूल चला रही अंजलि सिंह ने पहली बार मिसेज इंडिया यूनिवर्स कांटेस्ट में प्रतिभाग किया। उनके पति दीशांत तोमर गुरुग्राम एक कंपनी में टीम लीडर व घर में सास-ससुर हैं। उन्होंने दिल्ली



में आयोजित शुरूआती कांटेस्ट में जीत हासिल की, जिसके बाद उन्हें आयोजन समिति की ओर से पुणे का टिकट मिला। यहां रैंप, ट्रेडिशनल, टैलेंट, वूमन पावर स्पीच आदि में उन्हें परखा गया। उन्होंने कहा कि खिताब वह अपने जिले को समर्पित करती हैं।

नेहरू नगर स्टेडियम को लीज पर देने का मामला ठंडे बस्ते में

गाजियाबाद : नेहरू नगर स्टेडियम को लीज पर देने का प्रस्ताव इस बार जीडीए बोर्ड बैठक में नहीं रखा जाएगा। जीडीए अधिकारी नहीं चाहते कि इस पर फिर से कोई विवाद खड़ा हो जाए। जीडीए बोर्ड बैठक 16 नवंबर को होनी है। पहले इस बैठक में स्टेडियम को लीज पर देने का प्रस्ताव रखा जाना था। बाद में तय हुआ कि अभी इस पर कोई भी कदम उठाना ठीक नहीं है। इस बार बोर्ड बैठक में सबसे ज्यादा प्रस्ताव भू-उपयोग बदलने के रखे जाएंगे। पीएम आवास योजना के लिए बिल्डरों ने औद्योगिक भूखंडों का उपयोग आवासीय करने के लिए अर्जी दी है।

मुजफ्फरनगर के बाद आगरा का भी नाम बदलने की मांग

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सरधना से विधायक संगीत सोम के मुजफ्फरनगर का नाम बदले जाने की मांग के बाद अब आगरा नार्थ से बीजेपी विधायक जगन प्रसाद गर्ग ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आगरा का नाम बदले जाने की मांग की है। आपको बता दें कि इससे पहले सीएम योगी इलाहाबाद का नाम प्रयागराज कर चुके हैं और फैजाबाद का नाम अयोध्या किए जाने का ऐलान कर चुके हैं। आगरा नार्थ से बीजेपी विधायक जगन प्रसाद गर्ग ने सीएम योगी को लिखे पत्र में कहा है कि आगरा में बहुत सारे वन (जंगल) और अग्रवाल

(महाराजा अग्रसेन के अनुयायी) हैं इसलिए शहर का नाम बदलकर श्रृंगवन किया जाना चाहिए। विधायक ने कहा कि इस क्षेत्र को शुरुआत में अग्रवन के नाम से जाना जाता था और महाभारत में इसका उल्लेख भी मिलता है। लेकिन समय के साथ, शहर को अकबरबाद के रूप में नामित किया गया और बाद में यह श्रागरा बन गया, जिसका कोई विशेष अर्थ नहीं है। उन्होंने कहा कि इसलिए इस शहर का नाम दोबारा से अग्रवन किया जाना चाहिए। विधायक जगन प्रसाद गर्ग ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री से मिलूंगा और उनसे आगरा का नाम अग्रवन करने की मांग करूंगा।

ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल मिलेगा विद्युत नियामक बोर्ड से

गाजियाबाद : विद्युत दरों में वृद्धि एवं ग्रामीण इलाकों में शहरी टेरिफ से बिल भेजने से नाराज ग्रामीणों ने पिछले दिनों सप्ताह भर डीएम कार्यालय के बाहर धरना दिया था। दीपावली से ठीक पहले ६ रानास्थल पर पहुंचे विद्युत एवं पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता के बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त किया था। ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल विद्युत नियामक बोर्ड से 15 नवंबर को लखनऊ में मिलेगा। जनपद के लोनी क्षेत्र के पंचलोक, मंडोला समेत आधा दर्जन गांव के लोगों ने महिलाओं के साथ डीएम कार्यालय के बाहर सप्ताह भर ६ राने पर रहे। उनकी मांग थी कि शहर के टेरिफ गांवों पर लागू न

किए जाए। इसके अलावा उन्होंने विद्युत दरों में वृद्धि को समाप्त करने तथा बड़े बिलों को एडजस्ट करने की मांग की थी। विद्युत संबंधी मांगों को लेकर धरनारत रहे किसानों के बीच विद्युत व पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों ने पहुंचकर उच्चाधिकारियों से बात अनुमति लेकर ग्रामीणों को आश्वासन दिया। इसमें उन्होंने विद्युत नियामक बोर्ड से समय लेकर ग्रामीणों के पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल की बैठक कराने का आश्वासन देकर धरना समाप्त करा दिया था। धरने का किसान नेता मनवीर तेवतिया ने बताया कि आगामी 15 नवंबर को विद्युत नियामक बोर्ड के साथ बैठक तय हो गई है।

पटाखे की चपेट में आकर दो झुलसे

गाजियाबाद : मोदीनगर में बिसोखर रोड व कादराबाद में पटाखे की चिंगारी की चपेट में आकर दो बच्चे झुलस गए। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बिसोखर रोड निवासी मयंक शर्मा दिवाली पर फुलझंडी छोड़ रहा था। इसी दौरान फुलझंडी किसी तरह उसके हाथ से छूटकर पैर पर गिर गई। इससे उसके कपड़ों ने आग पकड़ ली। इसमें वह बुरी तरह झुलस गया। परिजनों ने प्राथमिक उपचार के लिए उसे निकट अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके अलावा कादराबाद में रोहित के सिर पर जलता हुआ रॉकेट पटाखा आकर गिर गया। इससे उसके बाल जल गए। उसका सिर व चेहरा बुरी तरह झुलस गया।

मिलावटी घी बरामद, खाद्य विभाग की टीम ने छापा मारा

गाजियाबाद : मुरादनगर की मलिकनगर कॉलोनी में बुधवार रात खाद्य विभाग की टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर एक मकान पर छापा मारकर मिलावटी देसी घी के 33 टीन बरामद किए हैं। टीम ने सैंपल भरकर जांच के लिए भेज दिया है और बरामद माल सीज कर दिया है। इस दौरान मकान में काम कर रहे लोग दीवार फांदकर फरार हो गए। जिला मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी एनएन झा ने बताया कि उन्हें मुरादनगर के मलिकनगर स्थित एक मकान में मिलावटी देसी घी बनाए जाने की सूचना मिली थी। जिसके चलते बुधवार रात मुख्य खाद्य

सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में एक टीम मुरादनगर थाने पहुंची। जिसके बाद स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर उक्त मकान पर छापामारी की कार्रवाई की गई। छापा लगते ही मकान के अंदर काम कर रहे लोग दीवार फांदकर फरार हो गए। एनएन झा ने बताया कि मकान के अंदर से 22 टीन तैयार देसी घी, 7 टीन वनस्पति घी व 4 टीन रिफाईंड के बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि टीम ने सैंपल भरकर जांच के लिए भेज दिया है। जबकि 33 टीन जब्त कर उन्हें सीज कर दिया गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध

गाजियाबाद : भारी और मध्यम मालवाहक वाहनों के दिल्ली में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। आठ नवंबर से 11 नवंबर की देर रात 11 बजे तक मालवाहक वाहन गाजियाबाद से दिल्ली में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। एसपी ट्रैफिक श्यामनारायण सिंह ने बताया कि इसके लिए आवश्यक जगहों पर बैरिकेडिंग कर यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। सिर्फ आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले वाहनों को ही गाजियाबाद से दिल्ली जाने की अनुमति दी जाएगी। उनके मुताबिक ट्रांसपोर्टर्स से अपील की गई है कि वे 11 नवंबर तक मालवाहक वाहन वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें।

दिवाली के दिन गाजियाबाद में 25 स्थानों पर लगी आग



पलैट में रहने वाले अमरपाल ङ्क्षसह निजी कंपनी में मैनेजर हैं, जबकि पत्नी पारुल चौधरी गुरुकुल द स्कूल में शिक्षिका हैं। उनके बेटा-बेटी शामिल स्थित

दिवाली के दिन हादसे में दो की मौत

गाजियाबाद : ग्रेटर नोएडा से दिवाली मनाकर लौट रहे दिल्ली निवासी दो चचेरे भाइयों की सड़क हादसे में मौत हो गई। नगर कोतवाली क्षेत्र के जीटी रोड स्थित हिंडन नदी के पुल पर बुधवार रात अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे के फरार हो गया। कोतवाल जयकरण सिंह ने बताया कि मृतकों की पहचान राहुल शर्मा (24) और बिट्टू शर्मा (21) के रूप में हुई है। दोनों दिल्ली के करावल नगर में शिव विहार के रहने वाले थे। राहुल कपड़े की दुकान पर काम करता था और बिट्टू चालक की नौकरी करता था। दोनों चचेरे भाई थे और दोनों मूल रूप से ग्रेटर नोएडा के लडूकी भगवानपुर

दिल्ली के रहने वाले थे दोनों चचेरे भाई

गांव के रहने वाले थे। दोनों मंगलवार को दिवाली मनाने के लिए दिल्ली से गांव गए थे। बुधवार रात दोनों दिल्ली लौट रहे थे। रात करीब 12 बजे जीटी रोड स्थित हिंडन पुल पर अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। कोतवाल का कहना है कि परिजनों की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। शवों का पोस्टमार्टम करा परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिए गए हैं।

गांव में दिवाली मनाने गए थे, जबकि वह अपनी पत्नी के साथ पलैट पर थे। अमरपाल का कहना है कि वह पलैट में पूजा कर पड़ोसियों को शुभकामनाएं देने गए थे। इसी दौरान उन्हें बताया गया कि पलैट में आग लग गई है। वह घर पहुंचे तो दो कमरों से धुआं निकल रहा था। कमरे का दरवाजा खोलने का प्रयास किया तो चाभी उसमें अटक गई। अमरपाल का कहना है कि पूजा घर और एक कमरे में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग से करीब 10 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिल्डर द्वारा फायर सेपटी के नाम पर अच्छी रकम वसूली गई, लेकिन आग के वक्त यह सिस्टम ठप हो गया। आग ने दो कमरों को पूरी तरह चपेट

में ले लिया, लेकिन न तो फायर अलार्म बजे और न ही स्प्रिंकलर्स ने काम किया। आरोप है कि साढ़े 11 बजे लगी आग की सूचना देने के एक घंटे बाद दमकल टीम पहुंची। मगर उनके पास कोई भी संसाधन नहीं था। बता दें कि वैशाली फायर स्टेशन पर 42 मीटर तक की पहुंच वाला हाइड्रोलिक प्लेटफार्म है, जो 14 मंजिला इमारत तक पहुंच सकता है। मगर दमकल टीम उसके बिना ही वहां पहुंची। कार्यवाहक एफएसओ आरके यादव ने बताया कि अन्य स्थान पर आग बुझाने के कारण पहुंचने में देरी हुई। हालांकि वैशाली से हाइड्रोलिक प्लेटफार्म मंगाने की जरूरत नहीं पड़ी। बिल्डिंग में लगे हाइड्रेंट के माध्यम से कमरों के दरवाजों को तोड़कर आग बुझा दी गई थी।

मंदिर व घरों में हुई गोवर्धन पूजा

गाजियाबाद : दीपावली के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को गोवर्धन का पर्व धूमधाम से मनाया गया। घरों में गोवर्धन पूजा महिलाओं ने विधि विधान से की। गाय के गोबर से आंगन में गोवर्धन की आकृति बनाकर उसमें गाय, नर-नारी, सूरज, चंद्र आदि बनाए गए। इसके बाद भगवान की पूजा अर्चना की गई। मंदिरों में भी इस अवसर पर हवन पूजन हुए। श्रद्धालुओं को मंदिरों में अन्नकूट का प्रसाद बनाकर बांटा गया। शहर के राजनगर स्थित इस्कान मंदिर, संजय नगर स्थित हनुमान मंदिर, गौरी शंकर मंदिर, ठाकुर द्वारा मंदिर सहित शहर के अन्य मंदिरों में भंडारे आयोजित किए गए। संजय नगर स्थित हनुमान मंदिर में कृष्ण कुमार शर्मा ने

पूजन कराया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गोकुलवासियों को बाढ़ से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी अंगुली पर उठा लिया था। उन्होंने गोकुल के सभी नर नारियों, पशु पक्षियों की रक्षा की। इसीलिए इस परंपरा को मनाया जाता है। अगले दिन गोबर से बनाई गई आकृति को हटाकर उसी स्थान पर दूज की पूजा की जाती है। इससे घर में सुख समृद्धि आती है। प्रमुख मंदिरों पर पुलिस की भी खास व्यवस्था रही। यहां बता दें कि अन्नकूट में सभी सब्जियों को मिलाकर प्रसाद बनाया जाता है। इस मौके पर डा. नीरज अग्रवाल, हरीश मोहन गर्ग, रविंद्र गोयल, अजय अग्रवाल, डीके मित्तल सहित अन्य लोग मौजूद थे।

EDITORIAL**On PM Modi's visit to Japan**

Ever since they institutionalised annual summit-level meetings in 2006, India and Japan have held a closely aligned world-view. Prime Minister Narendra Modi now heads to Japan for meetings with his Japanese counterpart, Shinzo Abe, and they are expected to take stock of all the challenges they face, notably with regard to the U.S. and China. President Donald Trump's recent actions on trade tariffs, sanctions against Iran and Russia, as well as the U.S.'s exit from several multilateral and security regimes are impacting both countries in different ways. For India, the impact is more direct, as the economy has been hurt by new American tariffs, review of its GSP (trading) status, and restrictions on visas for professionals. Moreover, possible U.S. sanctions over Indian engagement with Iran as well as defence purchases from Russia pose a looming challenge. For Japan too, U.S. trade tariffs are a concern and Washington's exit from the Trans-Pacific Partnership is corralling Southeast Asian countries into a free trade regime under Chinese domination. In addition, the U.S.'s on-again, off-again nuclear negotiations with North Korea are keeping Tokyo on tenterhooks. India and Japan must closely cooperate on how to manage these challenges from the U.S. while maintaining their growing security ties with Washington, as members of the trilateral and quadrilateral formations in the Indo-Pacific. The other common concern is managing an increasingly influential China. Mr. Abe will meet Mr. Modi a day after he returns from a visit to Beijing, the first by a Japanese Prime Minister in seven years. Mr. Modi has re-engaged Beijing through multiple meetings with President Xi Jinping this year. The Prime Ministers are bound to compare notes on the way forward with their common neighbour, especially on building and financing alternatives to China's Belt and Road projects for countries along the "Asia-Africa growth corridor".

On the bilateral front, there are several loose ends that Mr. Modi and Mr. Abe will work to tie up. The Shinkansen bullet train project has gathered speed, with the Japan International Cooperation Agency releasing the first tranche of ₹5,500 crore recently. But it could still run into delays over land acquisition issues. India and Japan have stepped up military exchanges, and will begin negotiations on a landmark acquisition and cross-servicing logistics agreement. However, there has been little movement on the pending purchase of ShinMaywa US-2 amphibian aircraft. And while Japanese investment has grown several-fold in India, trade figures are lower than levels five years ago. None of these issues is insurmountable, and the larger concerns of how to navigate uncharted and stormy geopolitical terrain, while maintaining strong positions on the international rules-based order, are likely to dominate Mr. Modi's visit.

-By Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

केदारनाथ-यमुनोत्री धाम के कपाट 6 महीने के लिए हुए बंद

विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के कपाट आज भैया दूज के दिन शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। मंदिर में पूजा अर्चना के बाद 8:30 बजे मुख्य द्वार बंद कर दिया गया। इससे पहले भगवान केदारनाथ की समाधि पूजा की गई जो ब्रह्म मुहूर्त से शुरू हुई। सेना के बैडों की मधुर धुनों के बीच डोली ने गौरीकुंड को प्रस्थान किया। 11 नवंबर को भगवान केदारनाथ की चल विग्रह डोली पंचकेदार गद्दीस्थल ओमकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में विराजमान होगी जहां भगवान शिव की 6 महीने शीतकालीन पूजा अर्चना की जाएगी।

HDFC Bank finds 68 used fake papers for job, on a branch manager

GURUGRAM: One of India's largest private banks, HDFC Bank, has filed a police complaint against a Gurgaon-based consultancy firm that allegedly used forged documents to place 68 candidates in various positions, from assistant manager to branch manager, with the bank over two years. The racket was exposed during a reference check of an employee, Geetanjali Bagga, by the bank in February. According to the bank's police complaint, Bagga joined HDFC Bank as an assistant manager in October 2017. During the reference check in February 2018, it came

to light that she had been supported by Adeco Consultancy during the recruitment process and had submitted forged salary slips, experience certificates and other documents. Bagga, during an internal investigation, revealed she had paid around Rs 60,000 to Amit Choudhary, who runs the agency. The bank subsequently opened an investigation into other candidates who had been placed through Adeco and found 68 employees had submitted forged documents in the past couple of years while joining HDFC Bank. Out of the 68, around 51 were employees

of the bank when the investigation was being conducted. One of them revealed the agency was run by Amit and his friend Satyendra Pal. Other than Adeco, some documents also used the names Lotus Consultancy and Aspire Consultancy. Satyendra, who was the manager of HDFC Bank's Noida Sector 135 branch, told the bank, according to the police complaint, that he had himself paid Rs 1.45 lakh to Adeco for his selection. After joining the bank, he used to train candidates for interviews with the bank and helped them in clearing online tests.

Farmers against Wave project to protest daily

Greater Noida: Villagers of Kacheda, who have been protesting against a Wave Group housing project over additional compensation, said they would hold daily agitations outside Surajpur police lines and would garner support from neighbouring villages. On Monday, 70 villagers flocked to the police lines and demanded they be arrested too. Altogether 84 villagers were arrested on Friday and Saturday for refusing to hand over to the developer land they had sold in 2012. Two more villagers were arrested on Monday. A local Samajwadi Party leader, Atul Pradhan, who was on his way from Meerut to meet the villagers,



was also arrested with four of his accomplices. The farmers of Kachera in Greater Noida have refused to hand over land for the Wave City housing project, demanding 64% of the amount already paid to them as additional compensation. They had moved the Allahabad high court, which quashed their

appeal. The villagers have grown crops on the land earmarked for the project. Trouble erupted last week when workers of the builder sought to start construction work and allegedly drove excavators on the field. "We have been farming on our land since 2005.

Two fall to death from 14th floor as scaffolding collapses

NOIDA: Two workers in their 20s fell to death from the 14th floor of an under-construction building of an ATS condominium in Sector 132 after the scaffolding that was supporting them gave way. ATS said a wall at the site had collapsed at the base of the scaffolding, making its foundation weak and causing it to fall. The two labourers who fell to their death were identified as Murtaza (26) and Sunny (20), both from Malda district of West Bengal. The accident triggered a protest by around 200 labourers working

at Bouquet, who beat up some officials of the company after accusing them of not providing them adequate safety gear. No police complaint has been registered yet. Labourers present at the site said the accident happened around 10.15am, but their version differed from that of ATS. They said a portion of a concrete column came off the main structure of the building and fell on the scaffolding, triggering the collapse. "The iron bars holding the columns and beams together had not been interlocked properly.

Though they had been bolted, the lock was not strong enough. Engineers and contractors are to blame for this," said Shahbuddin, a labourer at the project site. Hansraj Bhadouria, station house officer of Expressway police station, said police got a call about the accident around 10.30am. "We took both labourers to Jaypee Hospital in Sector 128, where doctors declared them dead on arrival. They are saying something had fallen on the scaffolding and it gave way.

‘Solvers’ among 7 arrested for impersonating in railway exams

NOIDA: The Special Task Force of UP Police on Friday arrested seven members of a gang, which used to send “solvers” to online railway recruitment exam in place of actual candidates, from Noida’s Sector 62 area. According to STF officers, Sumit Pehlwan, Vikrant, Naveen Malik, Sunny, Sujeet, Sanjeet and Gajendra used to morph photographs of candidates in application forms. Three of them used to appear in exam centres as “solvers” as well. Sujeet was the mastermind of the gang which provided “services” in Chandigarh, Patiala, Sonipat



and Noida exam centres. Rajkumar Mishra, DSP, Noida STF, said the gang used to send “solvers” to exam centres in place of real candidates to take the ‘Group D’ examination for selection in railways. He added that a diary had been recovered from the arrested persons and it revealed that the gang had taken Rs 2 crore from 200 students.

22-year-old kills self in Sector 71 house

NOIDA: A 22-year-old youth committed suicide by hanging himself from the ceiling fan of his house in Sai Apartment, Sector 71 on Thursday. The youth, identified as Deepanshu, was originally from Kanpur. Cops found a suicide note on the spot though the reason behind taking the extreme step remains unclear. According to police, Deepanshu worked at a private company in Sector 63 and was staying in the apartment with his elder brother Monu and his wife for the past one year. “The neighbour informed police and Monu, who was at work at that time,” an officer said.

Near-complete Ghaziabad metro may miss Nov deadline

GHAZIABAD: The rising pollution level in Ghaziabad could soon cast a cloud on the nearly complete Dilshad Garden-New Bus Stand metro project, the Ghaziabad Development Authority (GDA) fears. If construction continues without any hindrance, the project is likely to see the light of day in mid-November. The apprehension came against the backdrop of the Noida and Ghaziabad administrations imposing a blanket ban on all private construction activities in the twin cities till November 10. On Monday, the air quality in Ghaziabad remained in the ‘severe’ zone for the third straight day. Officials in the



Ghaziabad administration, however, said they would be compelled to extend the ban on all construction activities if the air quality remained “severe” over the next few days. Apart from two metro projects, the NH-24 is being widened in Ghaziabad. GDA vice-chairperson Kanchan Verma said the agency was looking for ways where the metro project could be exempted from a possible construction ban in future. “We are already looking

for a middle path through which the Dilshad Garden-New Bus Stand metro project could be exempted from a possible ban, should the administration decide to extend it to all ongoing projects,” said Verma. “As for the project, major civil work is already over. According to DMRC, which is implementing the project, work is going on at metro stations. I don’t think this should be as polluting as the other projects” she added. The GDA has asked DMRC to ensure all green norms are adhered to and there are no violations. A fine of Rs 50,000 was imposed on DMRC by the administration in September this year for violating green norms.

physically tortured by her in-laws for dowry. The father also claimed that he had brought her to his Kot village house in an unconscious state on May 8 this year and admitted her to a hospital in Gautam Budh Nagar’s Badlapur area, where she succumbed to her injuries on May 13. J P Singh, petitioner’s counsel, told TBC that the court raised serious questions on the investigation report, wherein the police gave a wrong name to the woman and claimed that she died a natural death. “The police had recorded a statement of a doctor from Swaroop Hospital who stated that the patient, named Kajal, was suffering

Baby girl left inside locked car, fell unconscious

NOIDA: In a freak incident, a 8-month-old baby girl fell almost unconscious when she was left unattended inside a locked car parked outside a market area here in Noida by her parents, who left her for some work. On Sunday, a couple drove to Sector 110 Noida market and left their 8-month-old daughter in the locked car. The mother went to apply mehendi for karwa chauth, while the father went for some shopping. After sometime, the baby felt suffocated and started crying and soon fell unconscious.

1.8 lakh old vehicles face SC ban in Noida, Ghaziabad

NOIDA/GHAZIABAD: The transport authorities have their task cut out for them in Noida and Ghaziabad in the wake of the Supreme Court’s order on Monday, prohibiting the plying of 15-year-old petrol and 10-year-old diesel vehicles in the National Capital Region (NCR). Currently, a total of 1.81 lakh such ‘polluting’ vehicles are registered in Noida and Ghaziabad. The authorities said they would comply with the apex court’s directive that requires transport departments to impound old vehicles if found plying in Delhi-NCR. Moreover, the three-judge bench, while reiterating the NGT’s earlier orders, also asked authorities

concerned to prepare lists of such old vehicles and publish them on the websites of Central Pollution Control Board (CPCB) and the transport departments of NCR. Available data suggests 1,29,825 old vehicles, including both petrol and diesel-run, are currently plying in Ghaziabad alone, while there are 51,745 such vehicles in Gautam Budh Nagar. Of the 1.29 lakh vehicles, 1,11,730 petrol-run vehicles are older than 15 years and 18,095 diesel-run vehicles are aged over 10 years in Ghaziabad district. Similarly, in Gautam Budh Nagar, the number of vehicles that should go off roads is 39,709 (petrol) and 12,036 (diesel), respectively. The

National Green Tribunal (NGT) had prohibited diesel vehicles older than 10 years and petrol vehicles older than 15 years from plying in Delhi-NCR in April 2015, and then again in July 2016. That such a whopping number of old vehicles are still found on roads underlines the failure of the authorities in implementing the green tribunal’s earlier orders in letter and spirit. Further, sources revealed, the transport departments had started issuing no-objection certificates (NOCs) to owners of old vehicles soon after the NGT orders, allowing them to use their vehicles in other districts of Uttar Pradesh.

Panchayat member’s husband found with bullet injuries

BAREILLEY : On Wednesday afternoon, 33-year-old Mohammed Sartaj, Najma Sartaj’s husband who is a Zila Panchayat (ZP) member from ward 16, was found lying unconscious near his brick kiln sustaining bullet injuries. The incident occurred in Sevapur village under Asmauli police station in Sambhal district. Police have also recovered his licensed pistol from the spot. On getting the information, his family members rushed to the spot and took him the hospital from where he was referred to a higher facility in

Moradabad. At Moradabad health facility, doctors found his condition to be serious and further referred him to Noida. According to the police, Sartaj owns a brick kiln in Sevapur village. “As usual, on Wednesday morning he had arrived at his brick kiln along with his nephew Arman. After dropping him there, Arman had left for the mosque. In the afternoon, when Arman came back to the kiln, he found him missing and queried the labourers about his uncle. “It is yet to be cleared whether Sartaj shot himself or he was shot at by someone.

Attempt to murder case against four men after their SUV hits BJP MLA's car

AGRA: Four men were booked under attempt to murder charges on Friday after the SUV in which three of them were travelling hit the rear side of the vehicle belonging to Kanpur BJP MLA Vinod Kumar Katiyar on Yamuna expressway on Tuesday afternoon. The accused have been identified as Akash Dixit, Rohit, Raju and Lalit -- all under 30 years of age. Lalit is the owner of the SUV and hails from Noida, and the other three are residents of Nehru garden in Ghaziabad. Notably, Lalit Sharma was neither driving the SUV nor was in the vehicle when the time accident took place. The accused has been

booked under sections 307 (attempt to murder), 279 (rash driving or riding on a public way) and 427 (mischievous causing damage to the amount of fifty rupees) of the Indian Penal Code. According to police, Lalit's SUV hit the rear of Vinod Kumar Katiyar's vehicle around 1:30 pm on Tuesday, near Khandauli Yamuna Expressway toll plaza. Akash Dixit was driving the SUV when it hit the BJP MLA's car. Katiyar, who is MLA from Bhognipur in Kanpur Dehat district, was returning to his Noida home. His driver and guard were in the vehicle when the accident happened. Speaking to TBC, Prashant

Tyagi, station house officer of Khandauli said, "An FIR was lodged based on the written complaint of the MLA. Section 307 of IPC, mentioned in the FIR, would be revoked if the probe finds that it was just an accident." Talking to TBC over phone, Vinod Kumar Katiyar said, "The occupants of the SUV attempted to kill me as it was speeding around 150 kmph. My SUV was standing at the toll plaza when it was from the rear. Though neither I nor my staff suffered any injury, it seemed that the occupants of the other SUV had the intention to kill me." Akash Dixit, Rohit and Raju suffered minor injuries in the accident and were taken

to hospital. They were sent to jail after producing in court. However, according to sources, the three are being kept in the police lock-up since Tuesday. Sources claim that they are being asked to cough up Rs 1.25 lakh as damages to the MLA. Refuting the allegations, Khandauli SHO Prashant Tyagi said, "The injured are admitted in hospital and not kept in police lock-up." Circle officer Atul Kumar Sonkar of Etampur said, "A police team is probing the incident. No accused has been detained. On Friday, the three accused were sent to 14 days remand after getting court's permission."

Now, fake NGO and call centre busted in Noida, 13 held

NOIDA: City police busted yet another fake call centre and an NGO and arrested 13 people, including five women, from their offices in Sector 2. The gang used to dupe people on the pretext of providing jobs and seeking donations for the needy. In the past one month, police have busted some six fake call centres and arrested as many as 68 people. On Tuesday, a fake call centre operating out of a building in Sector 6, barely a few metres away from the offices of SP (city) and Noida Authority, was busted and 18 youths belonging to Delhi, Odisha, Bihar and UP were arrested. The latest raid on the fake call



centre and the NGO operating out of a building in Sector 2 came on a tip-off. "The accused were running an NGO, named We Care Foundation, on the ground floor and a call centre called 'Careerstreet.com' on the first floor of the same building," said Manoj Kumar Pant, SHO of Sector 20 police station. "They would dupe people by seeking donations to help the needy in the name of the NGO.

UP to start acquiring Jewar land for airport

NOIDA: The UP government on Tuesday issued a notification for the acquisition of 1,239 hectares of land for the Jewar international airport project. This means the process of land acquisition can now formally begin. The quantum of land notified by the government is only for the first phase of the airport. The rest will be acquired later. Surya Pal Gangwar, special secretary in the civil aviation department, said the notification would be published in the official gazette, two daily newspapers and in panchayat buildings so that it can have a wider reach. Land owners will be given two

months to give feedback and suggestions, if any. During this period, no farmer can sell or buy land earmarked in the notification. The notification followed the consent of 70% of land owners and its approval in a social impact assessment (SIA) report. Officials said the notification that would be shared with the villagers will have detailed information on the nature of the project, reasons necessitating the displacement of the affected persons, and a summary of the SIA report. Jewar SDM Prasun Dwivedi said, "We have been continuously working for this project.

Noida OKs freehold, owners to get full rights over homes

NOIDA: The Noida Authority on Thursday approved conversion of all leasehold property in the city to freehold, agreeing to a long-standing demand from home and land-owners who can now look forward to full ownership rights. The decision taken at the 195th board meeting, will need approval from the UP government before it comes into effect. Once it does, the state — in this case, Noida Authority — will cease to be the lessor of all residential property in Noida. As a result, sale of plots, houses and flats can happen without a no-

objection certificate from it. Noida was established in 1976 under the UP industrial Act and the Noida Authority held the title rights of all land under it. It acquired land from farmers and then made allotments in various categories like residential, industrial and commercial for a 90-year lease. Conversion to freehold means the change in title ownership, through a mutation, will be applicable to all residential properties, including plotted ones, builder floors and housing society flats. The decision, said realtors' association Credai, will have a

positive impact on the sluggish real estate market in Noida. But conversion charges are also likely to be applicable when one goes in for a mutation. Noida's officer on special duty Santosh Kumar said, "In leasehold property, the Noida Authority is the owner. In freehold, residents will have ownership rights." This means the owner is free to use the property for any purpose, in accordance with local regulations. The sale and purchase of freehold property also does not require consent from the state, and hence, means less paperwork.

Credai's NCR president Pankaj Bajaj said, "In freehold property, no permissions or transfer charges are payable while selling. Typically, other things remaining the same, a freehold property will sell for about 10-15% higher than a leasehold property." This is attributed to the fact that a freehold property is seen as encumbrance-free. Bajaj, however, cautioned that aspects such as freehold conversion charges and the kind of residual controls that Noida Authority keeps would also have an impact on the decision.

हेल्प लाईन नंबर	
गाजियाबाद प्रशासन	
डीएम -	2824416
आवास -	2820106
एडीएम (सिटी) -	2828411
एडीएम (प्रशासन) -	2827016
सिटी मजिस्ट्रेट -	2827365
आयकर विभाग -	2714144
पासपोर्ट कार्यालय -	2721779
पुलिस अधिकारी	
एसएसपी -	2821120, 2820157
पुलिस अधीक्षक नगर -	2854015
पुलिस अधी. यातायात -	2829520
क्षेत्राधिकारी प्रथम -	2733070
क्षेत्राधिकारी द्वितीय -	2791769
क्षेत्राधिकारी तृतीय -	9958776662
क्षेत्राधिकारी चतुर्थ -	2898131
साहिबाबाद -	2630691
कविनगर -	2711843
लिकरोड -	2770310
इंदिरापुरम -	2275858
लोनी -	2600097
जीडीए	
उपाध्यक्ष जीडीए -	2791114
जीडीए सचिव -	2790891
अस्पताल	
सी.एम.ओ. -	2710754
सी.एम.एस. -	2730038
आपातकालीन -	2850124
कोलम्बिया एशिया -	3989896
यशोदा अस्पताल -	2750001-04
गणेश अस्पताल -	4183900
संतोष अस्पताल -	2741777
सर्वोदय अस्पताल -	2701694
जि0 अस्पताल(एम्बुलेंस) -	2730038
नरेन्द्र मोहन अस्पताल (एम्बुलेंस)	2735253
यशोदा अस्पताल (एम्बुलेंस)	2701695
पुष्पांजली क्रांसेले हॉस्पिटल	4188000
पुष्पांजली मेडिकल सेन्टर	43075600
बीएसएनएल	
आदेश कुमार (जीएम) -	2755777
अग्निशमन विभाग	
नगर कन्ट्रोल रूम -	2734906
कन्ट्रोल रूम-कोतवाली -	2732099
जिला कन्ट्रोल रूम -	2766898
पुलिस स्टेशन	
कोतवाली -	2732088
सिहानी गेट -	2791627
कविनगर -	2711843
विजयनगर -	2740797
लिकरोड -	9999993066
इंदिरापुरम -	2902858
साहिबाबाद -	9999993020
लोनी -	2600097
अग्निशमन विभाग -	2732099
	9818702101
रेलवे इन्कवायरी -	131
नगर निगम	
नगरायुक्त -	2790425, 2713580
विद्युत विभाग	
मुख्य अभियंता -	2821025
पूछताछ	
रेलवे कस्टमर -	2797840, 139
रिजर्वेशन -	8888
रोडवेजइन्कवायरी -	2791102

प्रेस विज्ञप्ति,
समाचार, विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें।

Phone No.:
0120-2850800,
2850297

Fresh U-turn created to unclog Kisan Chowk

NOIDA: Nearly a month after the traffic police closed Kisan Chowk for those travelling from Surajpur-Tilapta side towards NH-24, another diversion has been put in place for those going towards Bsrakh side from the national highway. This U-turn was suggested by cops after their previous experiments failed to reduce congestion at Kisan Chowk. Now, commuters travelling from NH-24 and Tigri roundabout will not be able to take a right turn from Kisan Chowk to travel towards Bsrakh and Greater Noida West directly. Instead, they will have to travel to the new U-turn created about 100 metres



ahead of the Kisan Chowk to continue travelling towards their destinations. “Those travelling towards Greater Noida West and Noida will now travel till the U-turn constructed before Ek Murti roundabout,” said SP (traffic) Anil Jha. Jersey barriers were put in place on Thursday evening, catching commuters by surprise. Arjun Singh, a resident of Sector 123, said any diversion should be made only

after due prior intimation to commuters. “In case, a diversion is being planned, commuters should be informed about the same beforehand. Otherwise, it leads to chaos,” he said. However, Sanjeev Dixit, who stays in Homes in Sector 121, said while traffic movement was relatively smooth after the diversion, “the tendency of commuters travelling on the wrong side to avoid the cuts needs to be checked by the police”. In early September, the traffic police had closed the direct movement of vehicles from Greater Noida West towards NH-24 by placing barriers on one part of the stretch.

Science park soon for government school students

NOIDA: The district administration of Gautam Budh Nagar is planning to develop a science park for government school students. After a review meeting with 25 CSR partners, the administration decided that HCL foundation will develop the park. District magistrate B N Singh said the administration has signed MoUs with private companies to improve quality of learning in government schools. “These private companies are supporting infrastructural upgrade, construction of toilets, installation of smart classes and setting up of libraries and science labs.

Effect of speeding on expressways? Accidents see huge rise in Noida

NOIDA: Increase in traffic volume on the city’s roads due to the Eastern Peripheral Expressway and speeding vehicles on this and other expressways have been blamed for the whopping increase in accidents and related fatalities as well as injuries this year in Noida. In 2017, there were 1,043 accidents in the city whereas 3,163 accidents have been recorded this year till August. Similarly, the number of deaths and injured persons in these accidents were 423 and 892, respectively, last year. On the other hand, 1,364 persons have died and 2,399 have been injured in the past eight



months. Comparing the data in the years between 2014 and 2018 reveals that there has been a 224% spike in accidents between 2014 and 2018. Similarly, there has been a 253% increase in related fatalities. The data for 2018 is for the period between January and August and will only go up till the end of this year. Meanwhile, in Ghaziabad, 329 people have lost their lives in 822 accidents till October this year. As many

For conversion to freehold, Noida likely to follow Delhi’s model

NOIDA: A day after the Noida Authority decided to send a proposal for conversion of all leasehold property in the city to freehold, officials said the modalities of conversion would be similar to that in Delhi Development Authority. In Delhi, the DDA offers online and offline process for conversion. The applicant is required to fill the form and attach his or her lease agreement and an affidavit. The applicant has to declare that no dues are pending. The DDA examines the application and executes the process. After this, the applicant has to visit the

stamps and registration department to complete the formalities of registration for freehold property. The conversion from leasehold to freehold may take 45 days. Noida’s chief architect planner Satish Gaur said though the Noida board had approved the conversion, the final decision would be taken by the state government. “For freehold property, the owners must submit a one-time lease rent, and the building’s construction should be as per the rules. The government may decide certain conversion fee for mutating leasehold property to freehold,” he said.

as 627 people were also injured during this period. There were only 714 accidents last year in which 318 people had died. As the road safety month commenced on Thursday, the data indicates that much more needs to be done to bring down these numbers. The number of challans issued to the speeding vehicles in Noida this year shows that it is emerging to be a major problem. According to traffic police, 1,62,347 of the total 4,49,011 challans issued from January to October 2018 have been for speeding. The highway traffic management system (HTMS) easily detects traffic violations but a person gets a challan after months and

there is no immediate action against him/her. In May this year, TBC had reported that only 35,124 challans generated till September 10, 2017, had been sent to violators via post. While one person had been caught speeding by CCTV cameras as many as 68 times from February 2017 to February 2018, another had been caught speeding as many as 72 times between August 2016 and February 2017. Traffic police said that many persons, who had their vehicles registered at a particular address, changed their location and made it difficult for them to recover fines. “Intimation is an issue.

Noida asks traders to take ‘green cracker’ pledge

NOIDA: The Noida administration is yet to issue licences to vendors for selling crackers this year. The administration on Wednesday called a meeting with firecracker vendors and asked them to take a pledge to follow the apex court guidelines. The meeting was also attended by members of FONRWA and Noida Entrepreneurship Association. “They have been informed about the environmental issues and the Supreme Court order on firecrackers. The vendors have promised that they will only sell ‘green crackers’,” said

Shailendra Mishra, Noida city magistrate. Mishra said the UP government’s direction on the issue was expected by Thursday. “We will go through the government order and then issue licences. But no licence will be issued for firecrackers other than green ones,” he added. The administration plans to issue 50 licences to vendors, against last year’s 100. Sonu Kumar, a vendor, said usually licences are issued ten days in advance. “We need to get NOCs from the police, fire department, and the administration.

NMRC to lease out space in metro stations for food kiosks

NOIDA: NMRC has decided to lease out space in at least three metro stations for commercial outlets, food stalls and other kioks. NMRC officials said the decision to offer space on lease was part of a plan to explore options of revenue generation. The metro stations that will have scope for bigger outlets are Sector 51, 83 and 137. PD Upadhyaya, executive director of NMRC, said space for outlets would be leased out on the basis of square metres. These outlets can sell food, beverages, etc.

Noida to give cracker sales licences, unlike Delhi, Gurugram

NOIDA: Sale of only ‘green’ crackers will be officially allowed in Noida and Greater Noida from November 4. This was announced by the district administration on Friday. No licences have been issued in Delhi and Gurugram. “Sale and use of firecrackers will be allowed in the twin cities on the basis of the guidelines of Supreme Court. All measures will be taken to ensure absolute compliance of the rules specified by the court. Anyone flouting the rules will be held in contempt,” district magistrate BN Singh said. The number of firecracker sellers in the district



would be half the number allowed to sell two years ago. While the area for sale of crackers will be decided by Noida Authority, only 50% of sellers who had applied in year 2016 will get permission this year. School will need to sensitize students on the usage of crackers. Toxic crackers which contain antimony, lithium, mercury, arsenic, strontium chromate are prohibited.

जनपद में बिना लाइसेंस के धड़ल्ले से हुई पटाखों की बिक्री

गाजियाबाद : दीपावली पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के विपरीत अवैध रूप से पटाखों की धड़ल्ले से बिक्री हुई। पुलिस-प्रशासन अवैध रूप से पटाखों की बिक्री रोकने में पूरी तरह से नाकाम साबित दिखाई दिया। गली-मोहल्लों में खुलेआम पटाखों की बिक्री हुई, इसके बाद भी पुलिस-प्रशासन कार्रवाई नहीं कर सके। कार्रवाई के नाम पर सिहानी गेट थाना क्षेत्र के नंदग्राम में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से पटाखे बरामद किए गए। इसके अलावा पूरे जिले में पटाखों की अवैध रूप से बिक्री हुई। बता दें

कि इस वर्ष सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में सशर्त पटाखों की बिक्री से रोक हटाई थी। सुप्रीम कोर्ट का आदेश था कि वर्ष 2016 में जारी किए गए पटाखा बिक्री लाइसेंस के सापेक्ष में 50फीसद ही लाइसेंस जारी किए जाएं। इस आदेश के बाद प्रशासन ने जिले में तय मानकों से भी कम कुल 48 लाइसेंस जारी किए थे। इन लाइसेंसी दुकानों से तो जिले में पटाखों की बिक्री हुई ही साथ ही पूरे जिले में अवैध रूप से धड़ल्ले से पटाखों की बिक्री की गई। लोगों ने अपने घरों में पटाखों की खेप रखी और जानकारों को

गुपचुप तरीके से पटाखे बेचे। जिले में गली-मोहल्लों समेत कॉलोनियों में पड़ने वाली दुकानों व कारोबारियों के मकानों से पटाखों की बिक्री की। पुलिस का मुखबिर तंत्र पटाखा बेचने वालों को रडार पर लेने में नाकाम साबित हुआ और इनके बारे में पता नहीं लगा सकी। जिले में पटाखा के थोक व खुदरा व्यापारी दशहरा से पहले ही पटाखों का अच्छा-खासा स्टॉक जमा कर लेते हैं। दीपावली से पूर्व लाइसेंस मिलने के बाद वह पटाखों की बिक्री करते हैं। इस वर्ष भी कारोबारियों ने पूर्व में ही पटाखों

का भारी स्टॉक एकत्र कर लिया था, लेकिन आदेश के बाद कम संख्या में लाइसेंस जारी हुए तो पटाखा कारोबारियों को झटका लगा और उनका स्टॉक धरा का धरा रह गया। इस स्टॉक को समाप्त करने के लिए चोरी-छिपे पटाखों की बिक्री की गई। लोग भी पटाखे खरीदने के लिए ऐसी दुकानों की तलाश कर रहे थे जहां पटाखों की बिक्री हो रही हो। बिना लाइसेंस के पटाखा बेचने वाले कारोबारी अंजान लोगों को पटाखे नहीं बेच रहे थे। पटाखों की बिक्री केवल उन लोगों को की गई जो रेगुलर ग्राहक हैं या

दुकानदार उन्हें जानता है। जानकारों के माध्यम से भी दुकानदार ग्राहक जुटा रहे थे और उन्हें पटाखों की बिक्री कर रहे थे। बुधवार को तो हालत यह रही कि दुकानदारों ने सरेआम दुकानों पर पटाखे रखकर बिक्री की और जानकारों के साथ-साथ आम ग्राहकों को भी पटाखे बेचे। दुकानदार ग्राहकों से पटाखों का ऑर्डर फोन पर ले रहे थे और रात के समय उनके घर पर पटाखों की सप्लाई कर रहे थे। इससे उनका स्टॉक भी समाप्त हो गया और पुलिस की पकड़ में भी नहीं आए।

छठ पूजा के लिए घाट किए तैयार



गाजियाबाद : हरनंदी नदी के घाट से लेकर खोड़ा पुश्ता हिंडन नहर मार्ग तक छठ महापर्व पर आस्था की बयार बहेगी। करीब चार किलोमीटर के मार्ग पर आधा दर्जन से ज्यादा मंदिरों और छठ घाट स्थल पर वेदी बनाकर पूजा अर्चना होगी। हिंडन नहर के घाटों पर आस्था के पर्व के लिए वेदी बनाकर तैयार करने के साथ ही उन्हें सजाने का काम भी जोरों पर चल रहा है। वैशाली सेक्टर-2 में हिंडन नहर किनारे कमल किशोर और राजेंद्र ने

मिलकर अपने परिवारों के पूजा करने के लिए वेदी का निर्माण किया। वहीं काला पत्थर पर ट्रांस हिंडन छठ पूजा समिति इंदिरापुरम की ओर से होने वाली छठ पूजा के लिए कुंड की साफ सफाई कराई गई। कुंड के पास वेदी बनाने का काम चालू हो गया है। कड़कड़ मॉडल गांव में भी कुंड की सफाई व पूजन स्थल चमकाया जा रहा है। अध्यक्ष अश्वनी तिवारी ने बताया है कि बड़ी संख्या में महिलाओं के छठ पूजन में शामिल होने का अनुमान है। समिति की ओर से पानी, बिजली और अन्य व्यवस्थाएं की जा रही हैं। हरनंदी नदी के दोनों किनारे पर घाट पर पूजा अर्चना की जाएगी। इसके अलावा भी कई स्थान बनाए गए हैं।

हरनंदी घाट पर शुरू हुई सफाई

साहिबाबाद : बृहस्पतिवार से ही हरनंदी के किनारे पड़ने वाले छठ घाटों की साफ-सफाई व वहां पूजन की तैयारी का काम शुरू हो गया। इसके लिए छठ पूजन करने वाले परिवारों के लोगों ने वहां वेदी व पूजन स्थान पर काम शुरू कर दिया। पूजन के लिए वेदी बनाने के साथ ही बैठने के लिए पक्का स्थान तैयार किया जा रहा है। बृहस्पतिवार को छठ घाट पर सैकड़ों लोगों ने पूजन स्थल पर पक्का चबूतरा तैयार कर अपना स्थान बना लिया

है। 12 नवंबर को छठ पूजन शुरू होना है इसके लिए नगर निगम भी शनिवार से सफाईकर्म लगाएगा। बृहस्पतिवार को घाट के आसपास उगी घास, गंदगी और पेड़ों की छंटाई का काम भी किया। इसी के साथ छठ घाट पर होने वाली व्यवस्थाओं के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। छठ पूजन से पहले-पहले वहां फैला कूड़ा हटवा दिया जाए इसके लिए नगर निगम के दो ट्रैक्टर रोजाना सुबह व दोपहर में वहां से कूड़ा हटाने का काम करेंगे।

पटाखों के कूड़े से पटा शहर, जगह जगह लगे ढेर



गाजियाबाद : दीपावली पर पटाखों के धूम-धड़ाके से न सिर्फ पर्यावरण दूषित हुआ, शहर में जगह-जगह गंदगी के ढेर लग गए। नगर निगम में अवकाश के चलते बृहस्पतिवार को कूड़ा नहीं उठ पाया। कुछ लोगों ने कई जगह इस कूड़े में आग लगा दी। पहले से हवा सांस लेने लायक नहीं थी। कूड़ा जलाकर लोगों ने आबोहवा में और जहर घोल दिया। तमाम बंदिशों के बावजूद शहर में पटाखों की धूम-धड़ाम गूंजती रही। जिससे दीपावली की रात हर तरफ धुआं-धुआं रहा। बृहस्पतिवार की सुबह उठे तो धुआं बरकरार मिला। हर सड़क पर पटाखों का कचरा नजर आया। नगर निगम में गोवर्धन पूजा का अवकाश होने के कारण शहर में सफाई नहीं हुई। ऐसे में ज्यादातर सड़कों पर पूरे दिन कूड़ा बिखरा रहा। कुछ लोगों ने अपने घर के सामने सड़क की सफाई कर कूड़े में आग लगा दी। ऐसा कर लोगों ने पर्यावरण को दोहरा नुकसान पहुंचाया। कूड़े को जलाना प्रतिबंधित है। इस पर 50 हजार रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। इसके बावजूद लोगों ने कूड़े जलाया। निगम क्षेत्र में सामान्य दिनों में 1000 मिट्रिक टन कूड़ा निकलता है। दीपावली पर करीब 1400 मिट्रिक टन कूड़ा घरों से बाहर आया।

पुलिस-प्रशासन नहीं करा पाया कोर्ट के आदेश का पालन, रात भर जले पटाखे



गाजियाबाद : दीपावली पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा सशर्त हटाई गई पटाखों से रोक के बावजूद पुलिस-प्रशासन कोर्ट के आदेशों का पालन कराने में नाकाम रहा। कोर्ट द्वारा पटाखे चलाने का समय रात आठ से दस बजे तक निर्धारित किया गया था लेकिन बुधवार पूरी रात पटाखे चले और रात भर पटाखों का धूम-धड़ाका जारी रहा। निर्धारित समय से पहले और बाद तक पटाखे चलते रहे। दीपावली पर कोर्ट के आदेश पर लोगों का उल्लास भारी दिखाई दिया। रात भर पुलिस को पटाखा चलाने की सूचना मिलती रही लेकिन पुलिस मौके पर पहुंची तो पटाखे चलते हुए नहीं मिले। बता दें कि वर्ष 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में पटाखों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया था। इसके बावजूद वर्ष 2017 में जमकर आतिशबाजी हुई। इस वर्ष सुप्रीम कोर्ट ने सशर्त पटाखों की बिक्री से रोक हटाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने ग्रीन पटाखों की बिक्री की अनुमति दी थी और पटाखे छोड़ने

का समय रात आठ से दस बजे तक निर्धारित किया था। लेकिन दीपावली की रात पूरे जिले में लोगों ने जमकर पटाखे छोड़े। पुलिस-प्रशासन कोर्ट के आदेशों का पालन कराने में पूरी तरह से अक्षम दिखाई दिया। बुधवार की पूरी रात जिले में पटाखे चलते रहे और पुलिस-प्रशासन इसे रोकवाने में नाकाम साबित रहा। पटाखा चलाने वालों के खिलाफ पुलिस-प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर सका। दीपावली की रात पुलिस कंट्रोल रूम को 150 से अधिक ऐसी कॉल मिली जिसमें लोगों ने 10 बजे के बाद पटाखा छोड़ने की शिकायत की। कॉल के बाद पुलिस को मौके पर भेजा गया लेकिन मौके पर पुलिस को कुछ भी नहीं मिला। इसके चलते पुलिस वापस लौट गई। वहीं पुलिस कार्रवाई के नाम पर यह कहकर पल्ला झाड़ रही है कि किसी के भी द्वारा लिखित तहरीर नहीं दी गई। इसके चलते पुलिस कार्रवाई नहीं कर सकी।

BUREAU OFFICE
PRATEEK BHARGAVA
Bureau Chief
5, Ashok Vihar, 3rd Floor,
GMS Road, Nr. Ballupur
Chowk, Dehradun.
Mobile: +91 8130640011
Email: prateekb@tbcbgzb.com
www.tbcbgzb.com
Contact for Press Release
and Advertisements

BUREAU OFFICE
VIKRAM KUMAR
Bureau Chief
12/516, Friends Co-operative
Society Vasundhara,
Ghaziabad (UP)
Mobile: +91 8130640077
Email: vikram@tbcbgzb.com
www.tbcbgzb.com
Contact for Press Release
and Advertisements